तापमान
अधिकतम 34 .3 डिग्री
न्यूनतम 13 .3 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि

रोहतक, मंगलवार 7 अप्रैल 2026

11 किसानों को लूटने के बहाने ढूंढ़ रहे आढ़ती बचाने के ...

12 ब्लैक फिल्में उतार रहे ब्लैक कैट कमांडो ...

MATRIX CLASSES
... Run by IITian
IIT-JEE (MAIN & ADVANCE)
MEDICAL NEET (UG)
FOUNDATION (HTSE, KVPY & OLYMPIAD)
ONLY 30 SEATS FOR EACH CLASSES
REGULAR ADMISSION OPEN FOR: VII TO XII
FREE TUITION CLASSES FOR STUDENTS OF OUR INSTITUTE AT EVENING TIME
SCHOOLING & COMPETITIVE COACHING AT ONE PLACE
Director:-
Mr. Muneem Bhar
(IIT MADRAS, AIR - 163)
Opp. Chhotu Ram Stadium, Basant Vihar, Gali No.3, Sonepat Road, Rohtak | M. : 92533-22220, 9813840432

एआई जेनरेटेड

घोर लापरवाही

रोडवेज चालक-परिचालक की मनमानी से खतरे में पड़ी बच्चे की जान

- पानीपत डाहर टोल पर उतारा बच्चा, मां और भाई रह गए बस में, परिचालक बोला बस स्टैंड पर ही रोकूंगा बस
- मां-भाई और सवारियों ने कड़ी आपत्ति जताई तो चालक ने बस रोकी
- परिवार ने परिवहन मंत्री, सीएम विंडो और डीसी को दी शिकायत, कार्रवाई की मांग
- 27 मार्च को दो बच्चों के साथ रोहतक से पानीपत जा रही थी महिला, तभी हुई घटना

मां-मां चिल्लाता हुआ बस के पीछे काफी दूर तक दौड़ा चार साल का मासूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक से पानीपत तक चलने वाली बस के चालक, परिचालक की मनमर्जी से एक बच्चे की जान आफत में फंस गई। बच्चे को पहले उतार दिया गया और बच्चे की मां व उसका दूसरा बेटा बस में ही रह गए। छोटा बच्चा बस रुकवाने के लिए बस के पीछे मां-मां पुकारते हुए दौड़ता रहा। कुछ दूरी पर जाकर बस रोकी गई तब तक जाकर बच्चे को बचाया गया। अब पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत परिवहन मंत्री अनिल विज सहित सीएम विंडो और उपायुक्त को की है। जिसमें चालक, परिचालक पर कार्रवाई के लिए मांग की गई है।

डाहर टोल के पास है पीड़िता का मकान

सुखपुरा निवासी महेंद्र सैनी ने शिकायत में बताया कि 27 मार्च को उसकी बेटी पानीपत जाने के लिए नए बस स्टैंड रोहतक से रोहतक डिपो की बस नंबर एचआर 46जीवी 8057 में अपने दो छोटे बच्चों और सामान को साथ लेकर गई थी। उसे रोहतक पानीपत टोल पर डाहर पानीपत में उतरना था। टोल पर पहुंचने के बाद मेरी बेटी ने बस रूकवा कर एक बच्चे को बस से नीचे उतार दिया लेकिन मेरी बेटी व उसके दूसरे बेटे के उतरने से पहले ही चालक ने अचानक बस चला दी। उनकी बेटी ने परिचालक को बस रोकने के लिए तो उसने कहा कि बस अड्डे पर ही जाकर बस रोकेंगे। जबकि उनका मकान टोल के पास ही था और टोल से बस स्टैन्ड की दूरी 12 किलोमीटर है।

कार चालक ने बस को रुकवाया

जिस बच्चे को टोल पर उतारा था वह बस के पीछे-पीछे भागता रहा। उनकी बेटी ने हाथ जोकर प्रार्थना की, सवारियों ने भी बस रोकने के लिए बहुत बार कहा, तब कहीं जाकर बस चालक ने बस को रोका। इस दौरान बस के पीछे आ रहे एक कार चालक ने भी बस को रोकने के लिए कहा। चालक ने इतना सब होने के बाद बस रोकी, तब कहीं जाकर उनकी बेटी अपने दूसरे बेटे के साथ नीचे उतरी और सड़क पर भाग रहे बच्चों को सम्भाला। इसके बाद उनकी बेटी अपने बच्चों के साथ घर पहुंची। इतनी बड़ी लापरवाही करने वाले चालक, परिचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

पंचकूला में महिला आयोग की सुनवाई

रोहतक की युवती गायब होने पर सोनीपत के विवि को फटकार

रोहतक। पंचकूला में महिला आयोग की सुनवाई के दौरान रोहतक की गायब युवती का मामला उछला। युवती को लेकर पीड़ित माता-पिता आयोग के समक्ष पेश हुए। युवती सोनीपत की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ती थी। वहां से घर लौटने के बाद युवती गायब हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस ने उसकी लोकेशन तलाशी तो यूनिवर्सिटी में मिली। लेकिन पुलिस पहुंची तो वहां से गायब हो गई। परिवार का आरोप है कि यूनिवर्सिटी की तीन महिला प्रोफेसर छात्राओं का माइंड वॉश कर उन्हें ट्रांसजेंडर बना देते हैं। उन्हें शक है कि उनकी बेटी के साथ भी ऐसा ही हुआ है। वहीं, यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को भी तलब किया था। महिला आयोग अध्यक्ष के बार-बार सवाल करने के बाद भी रजिस्ट्रार चुप रहे। जिस पर आयोग अध्यक्ष ने कहा मामले में जांच की सिफारिश एनआईए से की जाएगी। लघु सचिवालय में सोमवार को महिला आयोग की टीम सुनवाई के लिए पहुंची। आयोग की चेयरमैन रेनू भाटिया के नेतृत्व में पहुंची, यहां पर आज रखे गए 36 केसों पर सुनवाई की।

खबर संक्षेप

अवैध शराब सहित दो युवक गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 48 बोतल अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने सूचना के आधार पर गांव घिलौड़ से जसिया की तरफ आ रहे बाइक सवार दो युवकों को शक के आधार पर रोका गया। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल पर रखे कट्टे में चार गत्ता पेटियों से कुल 48 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। आरोपियों की पहचान अशोक व प्रदीप, निवासी गांव जसिया के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

दीपक पर हमले का एक और आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने देव कॉलोनी निवासी दीपक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया गया है तथा मामले की गहनता से जांच जारी है। पुलिस ने पीड़ित दीपक की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की जांच उप निरीक्षक सुरेन्द्र द्वारा की जा रही है। जांच के दौरान 5 अप्रैल को आरोपी सूरज पुत्र हुकम निवासी खोयो क्यारी (उत्तराखंड), हाल देव कॉलोनी रोहतक को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले आरोपी विशाल को भी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है।

सुखपुरा चौक वालों का दुःख

अब बच्चों के रिश्तों में भी दिक्कत लोग बोले, कैसे रहेंगे ऐसी जगह पर

- काम धंधे पहले ही हो चुके चौपट, दो माह में एक पिलर आधा बना, ऐसे तो 10 साल लगेंगे
- रोजगार प्रभावित, कइयों को दुकानें बंद करनी पड़ीं सड़क धूल व गड्ढों से जाम, ग्राहक भी नहीं आते
- प्रशासन से कार्य जल्द पूरा करवाने और प्रभावित व्यापारियों के लिए राहत की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जींद-दिल्ली रोड पर स्थित सुखपुरा चौक पर बन रहा फ्लाईओवर फिलहाल लोगों के लिए आफत बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है जिस तरह से फ्लाईओवर निर्माण की स्पीड है उसे देखकर लगता है कि यह दस साल में भी पूरा नहीं होना। इतना ही नहीं यहां बरसात में पानी भर जाता है और आए दिन लोग गिरकर चोटिल होते रहते हैं। इन हालात में तो यहां आसपास रहने वाले लोगों के बच्चों को देखने के लिए रिश्ते वाले भी नहीं आने वाले। लोगों को डर है कि उनके बच्चे यहां कैसे रहेंगे। कुल मिलाकर लोगों ने इसे विकराल समस्या बताते हुए निर्माण कार्य जल्द पूरा करवाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले दस सालों तक भी फ्लाईओवर तैयार नहीं हो पाएगा। निर्माण कार्य की धीमी गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दो महीनों में केवल एक पोल का आधा काम ही पूरा हो पाया है। अब प्रशासन की ओर से सितंबर 2026 तक काम पूरा करने का दावा किया जा रहा है, जिस पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

बेहद धीमी गति से चल रहा काम, आमजन परेशान

अव्यवस्थित तरीके ने बढ़ाई दिक्कत

धंधा ठप होने से दुकानदार बेहालफ्लाईओवर निर्माण कार्य जहां एक ओर शहर के विकास का प्रतीक माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह आसपास के दुकानदारों के लिए भारी मुसीबत बनता जा रहा है। निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और अव्यवस्थित तरीके से चल रहे काम के कारण स्थानीय व्यापारियों का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि सड़क पर फैली धूल, हर समय लगने वाला जाम और खुदाई के कारण पैदा हुई अव्यवस्था ने ग्राहकों की आवाजाही लगभग खत्म कर दी है। पहले जहां दिनभर दुकानों पर रौनक रहती थी, वहीं अब कई दुकानों पर घंटों तक एक भी ग्राहक नहीं पहुंचता। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि दर्जनों छोटे-बड़े कारोबार प्रभावित हो गए हैं।

ऐसा है प्रोजेक्ट

57 करोड़ रुपये कुल लागत
2024 जुलाई में निर्माण शुरू हुआ
2025 दिसम्बर तक पूरा होना था
2026 आया, लेकिन अभी अधूरा

प्रभावित व्यापारियों के लिए राहत पैकेज दें

लोगों का कहना है कि कई बार निर्माण कार्य के दौरान मजदूर साइट छोड़कर चले जाते हैं, जिससे काम और अधिक प्रभावित होता है। बार-बार लेबर के भागने से प्रोजेक्ट की गति पर गंभीर असर पड़ा है। लोगों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और प्रभावित व्यापारियों के लिए राहत के उपाय किए जाएं। यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। सरकार प्रभावित व्यापारियों को राहत पैकेज दे।

एक साल से काम ठप

पिछले एक साल से काम पूरी तरह ठप पड़ा है। "पहले रोजाना अच्छी बिक्री होती थी, लेकिन अब दिनभर में एक-दो ग्राहक भी नहीं आते। गुजारा करना बड़ा मुश्किल हो गया है। परिवार पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। - साबिर, दुकानदार

काम में तेजी नहीं

प्रशासन को आम जनता की कोई चिंता नहीं है। "हर बार नई तारीख दी जाती है, लेकिन काम में कोई तेजी नजर नहीं आती। अगर यही स्थिति रही तो हमें अपना व्यवसाय छोड़ना पड़ेगा। ऐसे में हम कहा जाएंगे और क्या काम करेंगे। यहां काम धंधे चौपट हो चुके हैं। - वीरेंद्र

अब तो ग्राहक आना भी बंद

निर्माण कार्य के कारण सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। "धूल और गड्ढों की वजह से ग्राहक यहां आने से कतराते हैं। कई बार तो खुद हमें दुकान तक पहुंचने में दिक्कत होती है। बरसात में काफी पानी जमा हो जाता है। - प्रवीन

रोजी-रोटी पर संकट

सरकार जल्द से जल्द काम पूरा करवाए। "डेढ़ साल का समय दिया गया था, लेकिन काम आधे से भी कम हुआ है। इस तरह तो दस साल में भी काम पूरा नहीं होगा आखिर हम जाएं तो कहां जाएं? रोजी-रोटी पर संकट आ गया है। -महेंद्र सैनी

बिना सूचना बिजली कटौती से हाहाकार पानी की किल्लत ने बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर इन दिनों भीषण गर्मी के साथ-साथ बिजली संकट की मार भी झेल रहा है। बिना किसी पूर्व सूचना के हो रही बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि बिजली जाने के साथ ही पानी की सप्लाई भी ठप हो जाती है, जिससे लोगों को दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर की रामगोपाल कॉलोनी और बड़े बाजार, बाबरा मोहल्ला, प्रताप चौक क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक बनी हुई है।

रामगोपाल कॉलोनी में सोमवार सुबह का नजारा कुछ ऐसा था, मानो पूरा इलाका अचानक ठहर गया हो। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही लोगों ने अपने दिन की शुरुआत की, बिजली गुल हो गई। चार घंटे की कटौती के बाद 12 बजे के सप्लाई बहाल हुई।

रात 2 से सुबह 5 बजे तक बत्ती रही गुल

जितेंद्र राणा ने बताया कि बिजली के बिना सबसे ज्यादा दिक्कत पानी को लेकर हुई। कई घरों में पीने तक का पानी खत्म हो गया और लोगों को आसपास के क्षेत्रों में जाकर पानी की व्यवस्था करनी पड़ी। गर्मी में जब पानी की जरूरत बढ़ जाती है, ऐसे में इस तरह की स्थिति लोगों के लिए किसी संकट से कम नहीं रही। उधर, बड़े बाजार क्षेत्र में भी बिजली कटौती ने लोगों की नींद और कारोबार दोनों पर असर डाला। यहां रात 2 बजे से सुबह 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रही। व्यापारी वर्ग का कहना है कि रात के समय बिजली कटने से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ जाती है। अंधेरे में चोरी या अन्य घटनाओं का डर बना रहता है।

शनिवार को ही स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने किया था पीजीआई में ओपीडी का निरीक्षण

कई दिन से चल रही समस्या, महिलाओं के वार्ड के पास गंदगी के अंबार

सामान्य नागरिक अस्पताल में पानी नहीं शौचालयों पर लटके ताले, मरीज बेहाल

- बच्चों के वार्ड के आसपास भी दिक्कतें दिखाई दी
- शौचालय बंद होने से खुले में जाने को मजबूर लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के सामान्य अस्पताल में व्यवस्थाओं की पोल एक बार फिर खुल गई है। यहां कई दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है, जिसके चलते शौचालयों पर ताले लटकाने पड़ रहे हैं। इस अव्यवस्था से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को ही प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का निरीक्षण कर खामियों पर सवाल उठाए थे। अस्पताल में भर्ती मरीजों का कहना है कि पानी न होने के कारण शौचालय उपयोग के लिए बंद कर दिए गए हैं। बच्चों के वार्ड के आसपास भी दिक्कतें देखने को मिल रही हैं। खासतौर पर महिलाओं के वार्ड के आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। मरीजों के परिजन खुले में या दूर स्थित शौचालयों का सहारा लेने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि यहां न पीने का पानी मिल रहा है और न ही शौचायलों की सुविधा है। ऐसे में मरीज और उनके अभिभावकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में कुछ जगह महिलाओं के लिए शौचालय खुले हुए हैं।

रोहतक। सामान्य नागरिक अस्पताल में शौचालय पर लटकता ताला। फोटो : हरिभूमि

सफाई व्यवस्था भी चरमराई

मरीजों का आरोप है कि प्रशासन को कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। अस्पताल में सफाई व्यवस्था भी चरमराई हुई है, जिससे बदबू और गंदगी से मरीजों का हाल बेहाल है।

तीर्थ यात्रा के लिए 15 तक कराएं पंजीकरण

रोहतक। डीसी ने बताया कि प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी खर्च पर निःशुल्क तीर्थ यात्रा करवाई जा रही है। इच्छुक पात्र वरिष्ठ नागरिक 15 अप्रैल 2026 तक पंजीकरण करवा सकते हैं। आगामी 5 मई को श्री नांदेड़ साहिब के लिए विशेष ट्रेन चलाई जाएगी।

इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक
(दिल्ली रोड, रोहतक)
आवश्यकता है!!
विद्यालय में निम्न पदों हेतु स्टाफ़ की आवश्यकता है:
- मेड
- ड्राइवर
- कंडक्टर
- हेल्पर
योग्यता:
• अनुभवी एवं जिम्मेदार उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाएगी।
• ड्राइवर के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र सम्पर्क करे।
9992900574, 9992900573

दिल्ली के जवाहर लाल स्टेडियम में हुई ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में क्षेत्र का नाम किया रोशन

मकड़ौली कलां के विकास राठी ने जेवलिन थ्रो में जीता गोल्ड

पानीपत में 2025 में हुई प्रतियोगिता में जीत चुका सिल्वर

- पिता सतीश राठी ने दी जानकारी, 15 साल के विकास की उपलब्धि पर है परिवार को गर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मकड़ौली कलां के युवा खिलाड़ी विकास राठी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित दिल्ली स्टेट ओपन एथलेटिक प्रतियोगिता में विकास ने जैवलिन थ्रो स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सिर्फ 15 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करना अपने आप में बड़ी बात है। विकास की इस सफलता से पूरे गांव मकड़ौली कलां में खुशी का माहौल है। परिवार और ग्रामीणों को इस होनहार खिलाड़ी पर गर्व है। विकास के पिता सतीश राठी ने बताया कि उनका बेटा शुरू से ही खेलों के प्रति समर्पित रहा है। उसने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि विकास का सपना देश के लिए खेलना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करना है।

यह पहला मौका नहीं है जब विकास ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो। इससे पहले वह पानीपत में वर्ष 2025 में आयोजित प्रतियोगिता में सिल्वर पदक भी जीत चुका है। लगातार बेहतर प्रदर्शन से वह अपने खेल में निखार ला रहा है।

वर्तमान में विकास एशियन गेम्स की तैयारी में जुटा हुआ है। वह अपने कोच के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण ले रहा है और अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

गांव और परिवार को उम्मीद है कि विकास आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश के लिए पदक जीतकर क्षेत्र और देश का नाम रोशन करेगा।

15वीं स्टेट जूनियर चैंपियनशिप में जिले के एथलीटों ने जीते 7 पदक

रोहतक। 15वीं हरियाणा स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रोहतक जिले के एथलीट खिलाड़ियों ने 7 पदक जीते। स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ग्रीवेंस कमेटी सदस्य राजकुमार मिटान के कुशल निर्देशन में किया गया। सत्यवीर धनखड ने बताया कि 15वीं हरियाणा स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 4 अप्रैल से 5 अप्रैल तक 2 दिवसीय आयोजन करण स्टेडियम करनाल में किया गया। इस चैंपियनशिप से समस्त हरियाणा राज्य के जिलों के लडका एवं लडकी एथलीट खिलाडी भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।रोहतक जिले के एथलीट खिलाड़ियों ने हरियाणा राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक एवं 5 कांस्य पदक सहित कुल 7 पदक जीते। प्रदीप मलिक महासचिव एथलेटिक्स हरियाणा ने बताया कि शाट पुट इवेंट में सावन ने स्वर्ण पदक,डैक्थलान इवेंट में तुषार ने रजत पदक, जेवलिन थ्रो इवेंट में प्रिंस ने कांस्य पदक, जिया ने 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक,आरजू ने 3000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक, स्नेहा ने 100 मीटर हर्डल इवेंट में कांस्य पदक और 800 मीटर दौड़ में सारांश मलिक ने कांस्य पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।

ट्रैक स्पर्धाओं में निखिल का दबदबा 800, 400 व 200 मी. दौड़ में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अखिल भारतीय जाट सुरमा स्मारक महाविद्यालय में 80वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें 20 से अधिक स्पर्धाओं में करीब 200 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। ऋतु राज ने 5000 मीटर और 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल करने के साथ-साथ 800 मीटर और भाला फेंक में भी द्वितीय स्थान पाया। पुरुष वर्ग की ट्रैक स्पर्धाओं में निखिल का दबदबा रहा, जिन्होंने 800 मीटर, 400 मीटर और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह की शुरुआत में प्रिंसिपल प्रोफेसर जोगेंद्र सिंह दहिया, खेल बोर्ड के कन्वीनर प्रोफेसर बलराज देशवाल और विभागाध्यक्ष डॉ. सुखबीर सिंधु ने अतिथियों का स्वागत किया। गेस्ट ऑफ ऑनर संतोष नांदल ने प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने कहा कि कॉलेज मैनेजमेंट खेल मैदानों के आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे के सुधार पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने खिलाड़ियों और कर्मचारियों को कड़ी मेहनत जारी रखने के लिए प्रेरित करते हुए विश्वास दिलाया कि भविष्य में संस्थान द्वारा और भी बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर उप प्रधान धर्मराज, सुखबीर हुड्डा, डॉ. कपूर सिंह ढाका, डॉ. मनीषा दहिया, डॉ. कांता राठी और डॉ. वरुण मलिक मौजूद रहे।

रोहतक। लंबी कूद में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

इस प्रकार रहे परिणाम

लंबी दूरी की 5000 मीटर और 1500 मीटर दौड़ में धीरज ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मयंक ने 100 मीटर की फर्राटा दौड़ में बाजी मारी, जबकि तनिष दलाल ने लंबी कूद में 6.40 मीटर की शानदार छलांग लगाकर प्रथम स्थान हासिल किया। मुस्कान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 800 मीटर, 200 मीटर और 100 मीटर की तीनों स्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। फील्ड इवेंट्स में साक्षी ने लंबी कूद में स्वर्ण जीता, जबकि निकिता ने शॉट पुट और निशा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में बाजी मारी। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण पूर्व छात्रों की दौड़ रही, जिसमें 60 वर्षीय रणबीर मलिक ने प्रथम और 66 वर्षीय ईश्वर सिंह दलाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर युवाओं को प्रेरणा दी। डॉ शिल्पा ने नींबू-चम्मच दौड़ और स्वीटी बेनिवाल ने म्यूजिकल चेयर स्पर्धा में जीत दर्ज की।

पीएनबी हाफ मैराथन में धावक बिमला का शानदार प्रदर्शन, आयु वर्ग में दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक रनर्स ग्रुप की सुपर स्टार धावक बिमला बनवाला ने रविवार 5 अप्रैल को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित पीएनबी हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने आयु वर्ग (51-60 वर्ष) में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने यह दौड़ 1 घंटा 59 मिनट 21 सेकंड में पूरी कर 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता। इस प्रतिष्ठित मैराथन का आयोजन पीएनबी के 132वें स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया, जिसमें देश-विदेश से करीब 27,000 धावकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रोहतक रनर्स ग्रुप के अन्य धावकों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। ग्रुप के चंद्रपाल बनवाला, अशोक राणा, बलराज सिंह तोमर, परवीन जांगड़ा, राजेश पायलट, जितेन्द्र गहलावत, रमेश श्योरान, सुधीर शोकीन, अजयबीर सिंह राठी, सुरेंद्र खत्री, पंकज भार्गव, विनोद खत्री, अशोक फ़ॉर, अंकित यादव, रीना रानी, सुधीर तेवतिया, राहुल बुधवार, सीमा मिश्रा, अमित प्रूथि और अरविंद पाल दहिया सहित सभी प्रतिभागियों ने अपनी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

ओपन नेशनल चेस टूर्नामेंट में गौरव द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मॉरचेस रैपिड ओपन नेशनल चेस टूर्नामेंट (अंडर-15) में गौरव ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 7,000 की नकद राशि जीती। यह प्रतियोगिता सोनीपत में आयोजित की गई। इससे पूर्व 27 से 29 मार्च तक त्यागराज स्टेडियम में आयोजित 'सेकंड स्किल क्राफ्ट ओपन' (क्लासिकल रेटेड) में उन्होंने 9 में से 7.5 अंक अर्जित कर नौवां स्थान हासिल किया और 10,000 का पुरस्कार जीता। सोमवार को रोहतक पहुंचने पर साथी खिलाड़ियों ने गौरव का भव्य स्वागत किया। अपनी सफलता का श्रेय कोच तथा मां शोभा सैनी (सहायक प्राध्यापिका) व पिता राजीव सैनी (सहायक अधीक्षक, डाक विभाग) को देते हुए गौरव ने कहा कि खेल और योग का समन्वय ही सफलता की कुंजी है। गौरव आज के युवाओं के लिए प्रेरणा के रूप में उभर रहे हैं। अनुशासन, निरंतर अभ्यास और योग से प्राप्त मानसिक दृढ़ता के बल पर स्थानीय युवा खिलाड़ी गौरव सैनी ने शतरंज की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गौरव पिछले 3 वर्षों से शतरंज के साथ-साथ योग विशेषज्ञ डॉ. जनक राज के निर्देशन में नियमित योगाभ्यास कर रहे हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

बहुअकबरपुर में वुशु, बॉक्सिंग व फुटबॉल खेल नर्सरी के लिए ट्रायल आज

महम। बाबा जीवन दास खेल परिसर बहु अकबरपुर में मंगलवार 7 अप्रैल को सुबह 9 बजे वुशु, बॉक्सिंग व फुटबॉल नर्सरी के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल लिया जाएगा। फुटबॉल खेल नर्सरी की ट्रायल खेल स्टेडियम में होगा। जबकि वुशु व बॉक्सिंग की ट्रायल बाबा जीवन दास खेल परिसर में होगा। संजय बल्हारा ने बताया कि खिलाड़ी अपने साथ अपना आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, परिवार पहचान पत्र व जन्म तिथि प्रमाण पत्र साथ लेकर आएं।

एथलेटिक्स खेल नर्सरी में दाखिले के लिए ट्रायल आज

महम। खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए हरियाणा सरकार ने सीसर खास गांव में एथलेक्टिस खेल नर्सरी को मंजूरी दी है। इस नर्सरी में दाखिले के लिए मंगलवार 7 अप्रैल को खिलाड़ियों का ट्रायल लिया जाएगा। कोच परमजीत ने बताया कि ट्रायल गांव के शहीद जसवीर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खेल प्रांगण में ली जाएगी। ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए यह सुनहरा अवसर है। खिलाड़ियों का चयन शाम 3 बजे किया जाएगा।

खो-खो में मदवि ने जीता प्रथम पुरस्कार

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की महिला खो-खो टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। यह प्रतियोगिता चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में आयोजित हुई। एमडीयू की खो-खो टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन रणनीति, तालमेल और दमदार खेल दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वी टीमों को पीछे छोड़ दिया। फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि पर खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने टीम और कोचिंग स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और टीम भावना ने यह सफलता दिलाई है। उन्होंने इस टीम को आगामी प्रतियोगिता में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी।

दूसरे सीओएएस कप में साई एनसीओई रोहतक की पुरुष टीम बनी उपविजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट (एएसआई) पुणे में आयोजित दूसरी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) कप पुरुष एवं महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता में साई एनसीओई रोहतक के मुक्केबाजों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम पूरे देश में रोशन किया है।

31 मार्च से 4 अप्रैल तक चली इस कड़ी प्रतियोगिता में साई एनसीओई रोहतक की एलीट पुरुष टीम ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में 10 मुक्केबाजों ने रिंग में अपना दम दिखाया, जिसमें रोहित मोर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, नवीन कुमार ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। टीम के लिए शौर्य पटवा , अंकित शर्मा और ईशान कटारिया ने अपनी खेल कुशलता से कांस्य पदक जीते। आशीष कुमार ने भी कड़ा संघर्ष करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। महिला वर्ग में भी रोहतक की बेटियों ने मुक्कों की गूंज से सबको प्रभावित किया। रितिका और अनामिका ने स्वर्ण पदक जबकि कोमल और शशि ने रजत पदक हासिल किया।

बेटियां हैं कुलज्योति : सुनित मुखर्जी

रोहतक। बेटियां कुलज्योति होती हैं। समाज में सामाजिक अलख जगाने, सामुदायिक सरोकारों को आगे बढ़ाने तथा करियर में ऊंचाइयां प्राप्त करने बेटियां सक्षम हैं। ज़रूरत है कि संचार कौशल समेत तकनीकी कौशल विकसित कर छात्राएं करियर तथा जीवन में अपना मुकाम हासिल करें। ये उदगार महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक सुनित मुख़र्जी ने आज महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय, रोहतक में आयोजित विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में व्यक्त किए। सुनित मुख़र्जी ने कम्युनिकेशन स्किल्स पर कम्युनिटी लीडरशिप विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि महिलायें ग्रामीण विकास, सामाजिक सरोकार, विधिक जागरूकता, प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्रशासन, स्वास्थ्य समेत अन्य क्षेत्रों में प्रभावी लीडरशिप प्रदान कर रही हैं। उन्होंने अनेक प्रभावी कम्युनिटी लीडर्स का उदाहरण साझा करके उनके जीवन एवं कार्यों से प्रेरणा लेने की सीख छात्राओं को दी।

हरियाणा की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी एक केंद्रीय स्तंभ : डॉ राजेश कुंडू

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने हरियाणा का कृषि विकासः नीतिगत मुद्दे और रास्ते विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि और ग्रामीण अनुसंधान समूह, नई दिल्ली द्वारा किया गया।डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने अपने व्याख्यान में कहा कि हरियाणा की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी एक केंद्रीय स्तंभ है। उन्होंने कहा कि हालांकि संरचनात्मक बदलाव आए हैं, लेकिन ग्रामीण आजीविका, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थिरता के लिए यह क्षेत्र अनिवार्य बना हुआ है। हरित क्रांति के दौर में हरियाणा ने जो प्रगति की थी, वह सराहनीय है, लेकिन वर्तमान में भूमि विखंडन, गिरता भूजल स्तर और सीमित फसल विविधीकरण जैसी समस्याएं भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं।

भाषण प्रतियोगिता में राजकीय कन्या महाविद्यालय सांपला की चंचल प्रथम

रोहतक। शहीद राय सिंह राजकीय महाविद्यालय सांपला में सोमवार को एनसीओआरडी के तत्वावधान में जिला स्तरीय नशा जागरूकता प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. परमभूषण आर्य द्वारा किया गया। इस जिला स्तरीय स्पर्धा में रोहतक जिले के 15 विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय कन्या महाविद्यालय, सांपला की चंचल प्रथम रही। वहीं एन.आर.एस. राजकीय महाविद्यालय, रोहतक की दीपांशी गिल दूसरे और राजकीय कन्या महाविद्यालय, रोहतक की नंदिनी तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों के बीच भाषण, स्लोगन लेखन और पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के मुकाबले हुए, जिनमें पीपीटी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्राचार्य ने युवाओं को नशे के घातक परिणामों के प्रति सचेत करते हुए कहा, जिस प्रकार जंग धीरे-धीरे लोहे को खाकर उसे नष्ट कर देती है, ठीक उसी प्रकार नशा भी मनुष्य के अमूल्य जीवन को भीतर से खोखला और बर्बाद कर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहने का संकल्प लें, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इसके विरुद्ध जागरूक करें। नशा जागरूकता कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दीपक लठवाल की देखरेख में आयोजित की गई। स्लोगन लेखन में वैश्य हिंदू कॉलेज की सावी ने प्रथम, गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज के करण कुमार ने द्वितीय और एस.आर.एस. राजकीय महाविद्यालय, सांपला की दीपांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका डॉ. अभिलाषा रोहिल्ला, डॉ. कविता आनंद, डॉ. उमेश, डॉ. रजनी, डॉ. इंदु, प्रीति, डॉ. अजय कुमार, डॉ. नवीन डांगी आदि ने निभाई।

मानव उत्थान सेवा समिति ने मातृ दिवस मनाया, मरीजों को फल किए वितरित

रोहतक। मानव उत्थान सेवा समिति रोहतक द्वारा सोमवार को महम में मातृ दिवस मनाया। इस मौके पर समिति की प्रभारी विपुला बाई की अध्यक्षता में शिवानंद स्वामी अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए गए। प्रभारी विपुला बाई ने कहा कि संस्था आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार प्रसार के साथ-साथ मिशन मेडिसिन और मिशन एजुकेशन के माध्यम से समाज सेवा के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। मानव उत्थान सेवा समिति एक अखिल भारतीय पंजीकृत संस्था है, जिसके संस्थापक सद्गुरुदेव सतपाल महाराज हैं। समिति द्वारा देश-विदेश में आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ समय-समय पर विभिन्न सामाजिक सेवा कार्य भी किए जाते हैं।

मातृ दिवसः सद्भावना पदयात्रा में नारी सशक्तिकरण का दिया संदेश

रोहतक। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा मातृ दिवस के अवसर पर सद्भावना जन-जागरण पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महात्मा विपुला बाई की अध्यक्षता में किया गया। पदयात्रा में पूज्य महात्मा चंद्रावती बाई, सुदेवी बाई तथा कालिदास महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। संतों ने कहा कि जब-जब महान शक्तियां पृथ्वी पर अवतरित होती हैं, वे ज्ञान के माध्यम से मानव का उद्धार करती हैं। यह ज्ञान उसी को प्राप्त होता है, जिसके भीतर श्रद्धा और विश्वास होता है। उन्होंने नारी को समाज की जननी और निर्मात्री बताते हुए कहा कि एक समृद्ध समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आध्यात्मिक रूप से सशक्त होना आवश्यक है। महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी मार्ग अध्यात्म और ज्ञान है।

भाजपा कार्यालय मंगलकमल में मनाया स्थापना दिवस, राष्ट्रसेवा का लिया संकल्प

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा जिला इकाई द्वारा भाजपा कार्यालय मंगलकमल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने की।बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया व प्रदीप जैन रहे। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके उपरांत पार्टी का ध्वज फहराया गया और सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी की रीति-नीति, सिद्धांतों एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प को दोहराया। जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनकर उभरी है, जिसका श्रेय करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और सेवा भाव को जाता है।

रण सोशल मीडिया से निकलकर जमीनी स्तर पर आया सांपला नपा चुनाव

घर-घर जाकर लोगों से संवाद कर रहे प्रत्याशी, योजनाओं का कर रहे प्रसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

नगरपालिका चुनाव की तिथि भले ही अभी घोषित नहीं हुई हो, लेकिन कस्बे में चुनावी माहौल पूरी तरह से गर्माने लगा है। अब यह चुनाव केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ज़मीनी स्तर पर भी इसकी गतिविधियां तेज़ी से दिखाई देने लगी हैं। कस्बे के मुख्य चौकों, गलियों और बाजारों में भावी प्रत्याशियों के पोस्टर लग चुके हैं, जिससे चुनावी हलचल साफ महसूस की जा सकती है। फसल कटाई का सीजन होने के बावजूद भी संभावित चेयरमैन प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ सक्रिय रूप से प्रचार में जुटे हुए हैं।

अनिल शर्मा , सुधीर, प्रवीण और अंकित ओहलान, रौनक मलिक आदि ने अपने समर्थकों के साथ कस्बे की विभिन्न गलियों का दौरा कर लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया और अपनी प्राथमिकताएं व योजनाएं साझा कीं। बाजार, अनाज मंडी और अलग-अलग वार्डों में भी जनसंपर्क अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रत्याशी सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों के बीच पहुंच रहे हैं और समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। समर्थकों की मौजूदगी से प्रचार को और मजबूती मिल रही है, जिससे माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंगता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और हर प्रत्याशी अपनी पकड़ मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। हालांकि चुनाव की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन पहले दौर के प्रचार में सभी प्रत्याशी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कुल मिलाकर सांपला में नगरपालिका चुनाव अब पूरी तरह ज़मीनी स्तर पर सक्रिय हो चुका है और आने वाले दिनों में यह चुनावी माहौल और भी तेज़ होने के आसार हैं।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर मंजू हुड्डा ने लगाया घर पर झंडा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

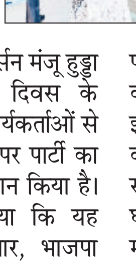

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर जिला परिषद चेयरपर्सन व पूर्व प्रत्याशी गढ़ी सांपला किलोई व भाजपा युवा प्रदेश उपाध्यक्ष मंजू हुड्डा ने अपने निवास स्थान पर पार्टी का झंडा लगाया। भाजपा नेत्री व चेयरपर्सन मंजू हुड्डा ने भाजपा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं से अपने घरों और बूथों पर पार्टी का झंडा फहराने का आह्वान किया है। मंजू हुडडा ने बताया कि यह अभियान 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' के अंतर्गत राष्ट्र सेवा, समर्पण और गौरव को रेखांकित करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओ से झंडा लगाकर सेल्फी नमो ऐप और सरल एप पर डालने की अपील की है। मंजू हुड्डा ने बताया कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का पूरे देश में स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। मंजू हुड्डा ने कहा कि स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य मेरा परिवार, भाजपा परिवार के तहत कार्यकर्ताओं के घरों पर पार्टी का झंडा लगाकर राष्ट्रहित और समर्पण का संदेश देना है और कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे न केवल अपने घरों पर झंडा लगाएं व सोशल मीडिया पर साझा करे।

फसल खरीद का मौसम: अनाज मंडी के नियमों और गुणवत्ता के नाम पर बढ़ रही खींचतान

किसानों को लूटने के बहाने ढूंढ़ रहे आढ़ती बचाने के लिए आगे आना होगा सरकार को

- और सख्ती से ही रुकेगा खरीद में गड़बड़झाला
- खरीद प्रक्रिया में देरी से पिस रहा किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

प्रदेश में फसल खरीद का मौसम आते ही आढ़तियों और सरकार के बीच तनातनी के बीच में किसान खड़ा है। पिछले 5–7 वर्षों में यह टकराव हर सीजन में किसी न किसी मुद्दे पर होता है। सरकार नहीं झुकती तो फिर आढ़ती ही नर्म पड़ जाते हैं। सवाल अब केवल विरोध का नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जिसमें पारदर्शिता, तकनीक और परंपरा तीनों एक-दूसरे से उलझते नजर आते हैं। सरकार पारदर्शिता और मानकों का हवाला देकर बायोमेट्रिक, गेटपास, नमी व रंगत जैसे नियम सख्ती से लागू करना चाहती है, जबकि किसान-आढ़ती इन्हें अव्यावहारिक बता रहे हैं। किसानों का कहना है कि मौसम की मार झेल चुकी फसल पर सख्त मानक थोपना अन्याय है, वहीं आढ़ती प्रक्रिया की जटिलता से खरीद प्रभावित होने की बात कर रहे हैं। नतीजा यह है कि मंडियों में खरीद बंद है और किसान असमंजस में खड़ा है। नियमों और राहत के बीच फंसा हुआ।

मंडी में पड़ी फसल की ढेरी।

रोहतक में 4383 क्विंटल गेहूं 5 दिन से अटका

रोहतक मंडी में 4383 क्विंटल गेहूं की ढेरी पिछले 5 दिनों से बिकने का इंतजार कर रही है, जिससे किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। मंडी में पहुंचे इस गेहूं को खरीद एजेंसियां नमी अधिक बताकर उठान से इंकार कर रही हैं, जबकि किसान और आढ़ती इसे मौसम की मार मान रहे हैं। स्थिति यह है कि अनाज मंडी में गेहूं के ढेर जस के तस पड़े हैं और खरीद प्रक्रिया आज सोमवार को छह दिन बाद भी शुरू नहीं हो पाई है। किसानों का कहना है कि हाल ही में हुई बारिश और बदलते मौसम के कारण फसल में नमी का स्तर थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह पूरी तरह खाने के लायक गेहूं है। उनका आरोप है कि खरीद एजेंसियां सख्त मानकों का हवाला देकर जानबूझकर खरीद में देरी कर रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। किसानों और आढ़तियों ने मांग की है कि सरकार और खरीद एजेंसियां मौके पर आकर स्थिति का निरीक्षण करें और नमी के मानकों में अस्थायी छूट देकर तुरंत खरीद शुरू कराएं। मंडी में गेहूं खरीद का संकट गहराता जा रहा है। एक ओर किसान अपनी मेहनत की फसल को बेचने के लिए परेशान हैं, तो दूसरी ओर खरीद एजेंसियों की सख्ती और आढ़तियों की हड़ताल ने स्थिति को और उलझा दिया है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में यह संकट और बड़ा रूप ले सकता है।

सांपला कस्बे में पहले दिन 4000 क्विंटल गेहूं खरीदा

सांपला। हरियाणा के सांपला क्षेत्र में गेहूं खरीद को लेकर किसानों को पिछले कुछ दिनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। छह दिनों के इंतजार के बाद सोमवार से सांपला मंडी में गेहूं की सरकारी खरीद प्रक्रिया आखिरकार शुरू हो गई। हालांकि, मंडी में पहले ही करीब 90 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी थी, लेकिन एजेंसियों द्वारा खरीद शुरू नहीं किए जाने से किसानों में चिंता का माहौल था। अभी चार हजार क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। जानकारी के अनुसार, सांपला मंडी में वेयरहाउस और हैफेड एजेंसी को गेहूं खरीद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेकिन एजेंसियां फसल में नमी की मात्रा अधिक होने का हवाला देकर खरीद प्रक्रिया को टाल रही थीं। इस वजह से किसानों को अपनी उपज मंडी में लाकर भी बेचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सोमवार को स्थिति तब बदली जब किसानों ने मार्केट कमेटी के चेयरमैन उदयभान मलिक से मुलाकात कर खरीद शुरू करवाने की मांग की। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उदयभान मलिक स्वयं मंडी पहुंचे और संबंधित एजेंसियों को तुरंत खरीद शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार के सख्त आदेश हैं कि खरीद के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। चेयरमैन के हस्तक्षेप के बाद हैफेड एजेंसी ने पहले ही दिन 4000 क्विंटल गेहूं की खरीद की। हालांकि यह मात्रा कुल आवक के मुकाबले काफी कम है, लेकिन इससे किसानों को राहत की उम्मीद जगी है। किसानों का कहना है कि अगर इसी तरह खरीद की गति बढ़ाई जाए तो जल्द ही मंडी में पड़ी पूरी फसल की खरीद संभव हो सकेगी। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि नमी के नाम पर खरीद में देरी न की जाए और समय पर उनकी फसल खरीदी जाए, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े। वहीं प्रशासन ने भी आश्वासन दिया है कि आने वाले दिनों में खरीद प्रक्रिया को तेज किया जाएगा और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

पिस रहा किसान

खरीद प्रक्रिया में देरी ने किसानों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। खेतों से फसल मंडियों तक पहुंच चुकी है, लेकिन उठान और खरीद की रफ्तार धीमी होने से गेहूं खुले में पड़ा खराब हो रहा है। मौसम की मार के बाद यह देरी किसानों के लिए दोहरी चोट बन रही है। भुगतान में देरी और बार–बार लगने वाले नियमों के कारण किसान मानसिक और आर्थिक दबाव में है। मजदूरी, परिवहन और भंडारण का खर्च बढ़ता जा रहा है, जबकि आमदनी अनिश्चित है। ऐसे हालात में किसान सचमुच पिस रहा है, और उसे त्वरित राहत की जरूरत है।

पारदर्शिता और सख्ती जरूरी

पारदर्शिता और सख्ती ही खरीद प्रक्रिया में चल रहे "बहाना खेल" पर लगाम लगा सकती है। जब तक हर चरण में रजिस्ट्रेशन, तोल, गुणवत्ता जांच और भुगतान डिजिटल और निगरानी में नहीं होगा, तब तक गड़बड़ी की गुंजाइश बनी रहेगी। सरकार को साफ नियमों के साथ उनका समान रूप से पालन सुनिश्चित करना होगा, ताकि कोई भी पक्ष मनमानी न कर सके। साथ ही, तकनीक को सरल बनाकर किसानों को सहूलियत देना भी जरूरी है। सख्त कार्रवाई और पारदर्शी सिस्टम से ही भरोसा बनेगा और खरीद प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ पाएगी।

मंडियों में फंसा किसान

आढ़ती और खरीद एजेंसियां दाने के हल्के कालेपन को आधार बनाकर खरीद नहीं कर रही। जबकि किसान इसे मौसम की मार बता रहे हैं। किसानों का कहना है कि नमी और रंगत के नाम पर फसल को खारिज करना उनकी मेहनत पर पानी डाल देना है। वहीं अधिकारी गुणवत्ता मानकों का हवाला दे रहे हैं। सवाल यह है कि क्या यह सख्ती जरूरी है या फिर खरीद टालने का बहाना बन रही है। फिलहाल, मंडियों में किसान असमंजस और नुकसान के बीच फंसा है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ट्रैक्टर–ट्रॉली की फोटो और गेटपास जैसे नियमों को लेकर विवाद और बढ़ा है।

महम अनाज मंडी में बने 179 गेट पास

महम। अनाज मंडी महम में सोमवार से गेहूं की खरीद शुरू हो गई है। सोमवार को 179 गेट पास बनाए गए। अब तक 229 गेटपास बनाए जा चुके हैं। सोमवार को 12 हजार 94 क्विंटल गेहूं अनाज मंडी में पहुंचा। अब तक मंडी में 15 हजार 80 क्विंटल गेहूं पहुंच चुका है। जिसमें से हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन ने 234 क्विंटल गेहूं की खरीद की। अब तक महम अनाज मंडी में 330 क्विंटल सरसों पहुंच चुकी है। जिसमें से प्राइवेट एजेंसी द्वारा 49 क्विंटल सरसों खरीदी जा चुकी है। मंडी सचिव दीपक ने बताया कि किसानों–आढ़तियों को फसल खरीद में परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

नियमों में मिले राहत

खेत में इस समय कम्बाइन गेहूं की कटाई में जुटी हैं और किसान दिन-रात वहीं मौजूद हैं। ऐसे में सरकार का बायोमेट्रिक अंगूठा लगाने का नियम पूरी तरह अव्यावहारिक है। किसान एक समय पर खेत और मंडी दोनों जगह कैसे पहुंचेगा? इससे खरीद तो प्रभावित होगी ही, किसानों को परेशानी और देरी झेलनी पड़ेगी। सरकार को जमीनी हकीकत समझते हुए इन नियमों में तुरंत राहत देनी चाहिए। **-सुमित दलाल,** महासचिव, किसान सभा हरियाणा

सरकार की मंशा संदिग्ध

सरकार की मंशा इस बार शुरू से ही संदिग्ध नजर आ रही है। अंदरखाने यह तय किया गया लगता है कि गेहूं की खरीद कम से कम की जाए, इसलिए रोज नए-नए अव्यवहारिक नियम लागू किए जा रहे हैं। कभी बायोमेट्रिक, कभी फोटो, तो कभी गेटपास की शर्तें इन सबका मकसद किसानों को उलझाना है। अगर यही हाल रहा तो किसान को अपनी फसल बेचने में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। **-राजू मकड़ौली,** किसान नेता

मंडियों में अंगूठा व फोटो के विरोध में किसान लामबंद, डीसी कार्यालय घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गेहूं और सरसों की खरीद के लिए लागू किए गए नए नियमों ने सोमवार को रोहतक में बवाल खड़ा कर दिया। अंगूठा लगवाने (बायोमेट्रिक) और ट्रैक्टर-ट्रॉली की फोटो अनिवार्य करने के फैसले के विरोध में कई गांवों के किसान सड़कों पर उतर आए। मानसरोवर पार्क में एकत्रित हुए किसानों ने प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय की ओर कूच किया, जहां हालात कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गए। सचिवालय पहुंचने से पहले ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। किसानों को अंदर जाने से रोकने के लिए मुख्य गेट बंद कर दिए गए। इसके बाद गेट के बाहर ही किसानों और प्रशासन के बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई। साढ़े बारह बजे के करीब लघु सचिवालय नए नियम वापस लो अन्नदाता को परेशान करना बंद करो जैसे नारों से माहौल गूंज उठा।

किसानों का आरोप है कि सरकार मंडियों में खरीद आसान बनाने की बजाय उसे और जटिल बना रही है। ट्रैक्टर रजिस्ट्रेशन, बायोमेट्रिक सत्यापन और फोटो अपलोड जैसी प्रक्रियाएं छोटे और मध्यम किसानों के लिए बड़ी बाधा बन गई हैं। उनका कहना है कि गेटपास लेने में ही घंटों लग रहे हैं, जिससे मंडियों में अफरा-तफरी का माहौल है। किसानों ने कहा कि सरकार तकनीक के नाम पर किसानों पर अनावश्यक बोझ डाल रही है। किसान पहले ही मौसम की मार झेल रहा है, ऊपर से ये नए नियम उसकी कमर तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा। स्थिति उस वक्त और गरमा गई जब एसडीएम किसानों का ज्ञापन लेने गेट पर पहुंचे, लेकिन आक्रोशित किसानों ने उन्हें वापस लौटा दिया। किसानों का कहना था कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस आश्वासन नहीं मिलता, वे किसी अधिकारी को ज्ञापन नहीं सौंपेंगे। बाद में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत की। काफी देर तक चले समझाइश के बाद किसानों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा।

रोहतक। लघु सचिवालय के बाहर अपनी मांगों के लिए धरना प्रदर्शन करते किसान।

फसल खरीद में बायोमेट्रिक लागू करने का विरोध

महम। प्रदेश सरकार द्वारा फसल खरीद के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। नए नियमों को लागू करने से किसान परेशान हैं और इन नियमों को रद्द कर पहले की तरह फसलें खरीदने की प्रक्रिया चालू करने की मांग कर रहे हैं। गेहूं की खरीद के लिए किसानों की बायोमेट्रिक हाजिरी लागू करने से किसान परेशान हैं। ट्रैक्टर और ट्रॉली पर ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर लिखा होना जरूरी कर दिया गया है। जबकि सभी किसानों के पास ट्रैक्टर नहीं हैं और वे दूसरे किसानों के वाहनों का उपयोग करते हैं। इन पेचिदगियों के चलते किसानों ने इन नियमों को रद्द करने की मांग की है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस ने भी किसानों का समर्थन किया है। इन नियमों के विरोध में सोमवार को महम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार के के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी और उनके बेटे विधायक बलराम दांगी ने किया। इस संबंध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम विपिन कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि सरकार तुरंत इन काले कानूनों को वापस ले। यदि ऐसा नहीं किया तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

हाईटेंशन लाइन से प्रभावित किसानों ने डीसी से मांगा मुआवजा

हरिभूमि न्यूज. रोहतक

गांव मदीना कोरसान, मदीना गिंधरान, निडाना, महम, बहलबा, भराण, कंसाला समेत कई गांवों के खेतों से गुजरने वाली प्रस्तावित बिजली की हाईटेंशन लाइन को लेकर किसानों में रोष बढ़ गया है। खेतों में लगने वाले टॉवरों और ट्रांसमिशन लाइन से फसल और जमीन दोनों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रभावित किसानों ने सोमवार को किसान नेता सतेंद्र लोहचब के नेतृत्व में लघु सचिवालय पहुंचकर उपायुक्त से मुलाकात की और उचित मुआवजे की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि टॉवर लगने से खेती का दायरा भी कम हो जाएगा। उन्होंने मांग की कि सरकार भूमि अधिग्रहण और टॉवर क्षेत्र के अनुसार बाजार दर से मुआवजा तय करे। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। इस दौरान किसानों ने प्रशासन से पारदर्शी सर्वे और नुकसान के वास्तविक आकलन की भी मांग की। उपायुक्त ने किसानों की बात सुनने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। किसानों ने कहा कि जब तक मुआवजे पर स्पष्ट नीति नहीं बनती, तब तक परियोजना कार्य शुरू न किया जाए।

अत्याधुनिक मेडिकल बस का अनावरण किया, गांव-गांव पहुंचेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक-महम में आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री ने समाजसेवी एवं एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन द्वारा समाज को समर्पित दंत, ईएनटी (नाक-कान-गला) एवं त्वचा चिकित्सा सेवाओं के लिए अत्याधुनिक मोबाइल मेडिकल बस का अनावरण किया। इस अवसर पर राजेश जैन ने बताया कि यह बस पूरी तरह वातानुकूलित है और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस है। इसमें दो डेंटल चेयर्स, पोर्टेबल एक्स-रे मशीन सहित दंत उपचार के सभी आवश्यक उपकरण मौजूद हैं। साथ ही ईएनटी और त्वचा रोगों की जांच व उपचार के लिए उन्नत तकनीक भी उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने बताया कि इस मोबाइल बस के माध्यम से रोहतक व आसपास के क्षेत्रों में सरकारी व निजी अस्पतालों तथा सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे, जिससे लोगों को घर के पास ही बेहतर इलाज मिल सकेगा। राजेश जैन ने यह भी बताया कि उनकी संस्था पहले ही रक्तदान, नेत्र जांच और मैमोग्राफी जैसी सेवाओं के लिए तीन मोबाइल मेडिकल बसें समाज को समर्पित कर चुकी है, जो लगातार निःशुल्क सेवाएं दे रही हैं। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति व चिकित्सा विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में सुनीं लोगों की शिकायतें

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समाधान शिविरों में वर्ष 2024-25 की सभी लंबित शिकायतों का तुरंत और स्थायी निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए और संबंधित अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करें। लघु सचिवालय में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर के दौरान उपायुक्त ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

शिकायतों के निपटारे की हो रही नियमित समीक्षा

उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर मौके पर ही समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया शुरू करते हैं। रोहतक जिला मुख्यालय के अलावा सांपला और महम में भी शिविर लगाए गए, जहां अधिकारियों ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं। जिला प्रशासन द्वारा शिकायतों के निपटारे की नियमित समीक्षा भी की जा रही है।

कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली के बाद अब रोहतक में भी
IIT-JEE / NEET / NDA
6th to 12th Class & 12th Pass
ADMISSION OPEN
MEGA SEMINAR & SCHOLARSHIP TEST
7 April Tuesday
10:00 am & 3:00 pm
100% SCHOLARSHIP / FREE SCHOOLING
1 Week Free Trial Class Before ADMISSION
KOTA CLASSES
144-L Model Town, Near C.R. Polytechnic College, Rohtak Contact 97285-44433

शहर की ऐतिहासिक इमारतें इंतजार में, लेकिन पहल करने वाला कोई नहीं

कलानौर थाने से लेकर पुराने चर्च तक रोहतक में बहुत कुछ है खास, धरोहर बने तो हो विकास

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

रोहतक जिले का इतिहास किसी किताब में बंद नहीं, बल्कि इमारतों की दीवारों पर सांस लेता है। कलानौर थाने से लेकर पुराने चर्च और पुराने कब्रिस्तान तक ऐसे कई स्थल हैं, जो शहर के औपनिवेशिक दौर और सांस्कृतिक विरासत की गवाही देते हैं। बावजूद इसके, ये धरोहरें आज भी उपेक्षा का शिकार हैं और संरक्षण के इंतजार में खड़ी हैं। ये ऐतिहासिक स्थल न केवल अतीत की कहानी बताते हैं, बल्कि पर्यटन और स्थानीय विकास के बड़े केंद्र भी बन सकते हैं। पुरातन को लेकर शोध करने वाले लोगों का कहना है कि यदि इन स्थलों को आधिकारिक रूप से धरोहर घोषित कर संरक्षित किया जाए, तो इससे न सिर्फ उनकी पहचान बचेगी बल्कि रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मालूम रहे कि गत फरवरी में डीसी आवास को राज्य सरकार ने धरोहर घोषित किया है।

ब्रिटिशकाल में केवल प्रार्थना स्थल नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल का केंद्र भी था यह चर्च

पुराना कब्रिस्तान:कोर्ट कॉम्प्लेक्स के ठीक सामने पुराना कब्रिस्तान आज भी शहर के औपनिवेशिक इतिहास को जीवित रखे हुए है। 19वीं सदी में अंग्रेजी शासनकाल के दौरान बने इस कब्रिस्तान में ब्रिटिश अधिकारियों, सैनिकों और ईसाई मिशनरियों की कब्रें मौजूद हैं। यहां 150 से 180 साल पुरानी कब्रों पर खुदे नाम और तारीखें उस दौर के सामाजिक व प्रशासनिक ढांचे की झलक पेश करती हैं। कब्रिस्तान में कई ऐसी कब्रें भी हैं जिन पर बच्चों के नाम दर्ज हैं, जो उस समय फैली बीमारियों और कठिन जीवन परिस्थितियों की ओर संकेत करती हैं। पत्थर के क्रॉस, ऊंचे चबूतरेनुमा ढांचे और अंग्रेजी में लिखे शिलालेख इसकी खास पहचान हैं। समय के साथ इन पर काई जम चुकी है, जो इसकी प्राचीनता को और उभारती है। 1857 की क्रांति के दौरान क्षेत्र में हुई उथल-पुथल के संदर्भ भी इस कब्रिस्तान से जुड़े माने जाते हैं, हालांकि सभी कब्रों का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। आज यह स्थल सिर्फ एक कब्रिस्तान नहीं, बल्कि रोहतक के इतिहास का अहम दस्तावेज बन चुका है, जहां हर कब्र बीते दौर की एक खामोश कहानी बयां करती है। लेकिन संरक्षित नहीं है। संरक्षित नहीं है तो किसी दिन भूमाफिया इसे निगल जाएगा।

ये है धरोहर घोषित करने की प्रक्रिया

किसी ऐतिहासिक स्थल को धरोहर घोषित करने की प्रक्रिया प्रस्ताव से शुरू होती है, जिसे व्यक्ति, संस्था या प्रशासन भेज सकता है। इसके बाद विशेषज्ञ स्थल का निरीक्षण कर उसके ऐतिहासिक महत्व, संरचना और आयु का मूल्यांकन करते हैं। सामान्यत: 50–100 वर्ष पुराने भवनों को प्राथमिकता दी जाती है। फिर भूमि से जुड़े दस्तावेज और प्रशासनिक रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जाती है। सरकार प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर जनता से सुझाव व आपत्तियां मांगती है। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अंतिम अधिसूचना जारी होती है और स्थल को संरक्षित धरोहर घोषित कर दिया जाता है।

ब्रिटिशकाल से जुड़ा है कलानौर थाना

कलानौर थाना का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा माना जाता है। रोहतक क्षेत्र में प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत करने और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख कस्बों में थाने स्थापित किए गए थे। कलानौर उस समय व्यापार और ग्रामीण गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र था, इसलिए यहां थाना स्थापित करना आवश्यक था। माना जाता है कि इसका निर्माण लगभग 1880 के आसपास हुआ। यह थाना न केवल अपराध नियंत्रण का केंद्र था, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों की गतिविधियों पर नजर रखने का भी माध्यम रहा। स्थानीय आंदोलनों की सूचनाएं यहीं से प्रशासन तक पहुंचती थीं, जिससे इसका ऐतिहासिक महत्व बढ़ जाता है।

1860-1880 के बीच बना था पुराना चर्च

कंपनी बाग के साथ ही पुराना चर्च है। कंपनी बाग के पास स्थित क्राइस्ट चर्च का निर्माण 1860 से 1880 के बीच ब्रिटिश काल में हुआ। यह रोहतक की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है और शहर के अतीत की झलक प्रस्तुत करता है। उस समय अंग्रेज अधिकारियों और सैनिकों की बढ़ती तैनाती के कारण एक व्यवस्थित पूजा स्थल की आवश्यकता हुई, जिससे इस चर्च की स्थापना हुई। यह केवल धार्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों का भी हिस्सा रहा। इसकी औपनिवेशिक वास्तुकला में ऊंची छतें, मोटी दीवारें और मेहराबदार दरवाजे शामिल हैं, जो हरियाणा की गर्म जलवायु के अनुकूल बनाए गए थे।

हथियार बंद काले कपड़ों वाले जवान पैदाकर रहे बच्चों-महिलाओं में दहशत

ब्लैक फिल्में उतार रहे 'ब्लैक कैट' कमांडो

>> दिल्ली बाइपास और सेक्टर-14 समेत प्रमुख मार्गों पर कड़ी निगरानी

>> गाड़ियों से काली फिल्म तुरंत हटवाई जा रही

>> हथियारबंद कमांडो और अचानक चेकिंग से लोग हो रहे असहज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

▶▶ सरकारी वाहनों पर कार्रवाई न होने से उठ रहे सवाल
▶▶ दोहरे मापदंड को लेकर लोगों में दिख रही नाराजगी

शहर में इन दिनों वाहनों पर लगी अवैध ब्लैक फिल्म के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान तेजी से चल रहा है। दिल्ली बाइपास, सेक्टर-14 सहित प्रमुख मार्गों पर ब्लैक कमांडो की टीमें तैनात हैं, जो लगातार गाड़ियों की जांच कर रही हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रही हैं। कार्रवाई के दौरान जवान सख्त रवैये में एक-एक वाहन को रोककर उसकी जांच करते हैं और जिन गाड़ियों पर काली फिल्म पाई जाती है, उसे मौके पर ही उतार दिया जाता है। पुलिस का कहना है कि यह कदम सुरक्षा कारणों और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उठाया जा रहा है।

हालांकि इस सख्ती के बीच एक अलग पहलू भी सामने आ रहा है। राहगीरों और खासकर बच्चों में इस कार्रवाई को देखकर डर का माहौल बन रहा है। अचानक ब्लैक कमांडों व उनके हाथों में एके-47 जैसे हथियार और लगातार रुकती गाड़ियां बच्चों के मन में भय पैदा कर रही हैं। लोगों का कहना है कि एक ओर पुलिस आम लोगों की गाड़ियों से ब्लैक फिल्म हटवा रही है, वहीं दूसरी ओर कई सरकारी वाहनों में ब्लैक जाली या कवर लगे नजर आते हैं, जिन पर कार्रवाई नहीं होती। इससे लोगों में दोहरे मापदंड को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ब्लैक फिल्म हटाने की कार्रवाई देख बच्चे घबराए

मैं दिल्ली से अपने परिवार के साथ लौट रहा था। जैसे ही हम दिल्ली बाइपास के पास पहुंचे, वहां पुलिस की विशेष टीम वाहनों की जांच कर रही थी। अचानक ब्लैक कमांडो को देखकर मेरे बच्चे घबरा गए और बोले पापा ये क्या हो रहा है, माहौल काफी सख्त था, जिससे बच्चे डर गए। हालांकि कार्रवाई सही है, लेकिन छोटे बच्चों पर इसका असर पड़ता है।

-पंकज कुमार

एके-47 लेकर चला रहे अभियान

रोहतक के पास सड़क किनारे ब्लैक कमांडो टीम पूरी मुस्तैदी से वाहनों की जांच कर रही थी। एक-एक गाड़ी रोकी जा रही थी और काली फिल्म तुरंत हटाई जा रही थी। एके-47 जैसे हथियार लेकर अभियान चला रहे है। इस कार्रवाई को देखकर राहगीर भी रुक गए। पुलिस की सख्ती और लगातार जांच से बच्चों के मन में डर पैदा हो गया।

-अजय भारद्वाज

कानून सबके लिए बराबर

पहले प्रशासन सरकारी वाहनों से ब्लैक फिल्म हटवाए और उनकी नंबर प्लेट ठीक करें। इसके बाद आमजनता के वाहनों पर कार्रवाई करनी चाहिए। हमने कई बार अभियान चलाकर और उच्च अधिकारियों को बताकर सरकारी वाहनों से ब्लैक फिल्म हटवाई है। इतना ही नहीं पुलिस को भी सादी वर्दी में लोगों के वाहनों की जांच करनी चाहिए।

-जय हुड्डा, अधिवक्ता

कानून के दायरे में की जा रही कार्रवाई

ब्लैक फिल्म के खिलाफ यह अभियान पूरी तरह कानून के दायरे में चलाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार निर्धारित सीमा से अधिक काली फिल्म लगाना प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई सभी वाहनों पर समान रूप से लागू है, चाहे वह निजी हों या सरकारी। अभियान का उद्देश्य लोगों को डराना नहीं, बल्कि नियमों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कार्रवाई के दौरान संयम और संवेदनशीलता बनाए रखें, खासकर जब परिवार और बच्चे मौजूद हों।

-गौरव राजपुरोहित, एसपी रोहतक

एमडीयू कर्मचारियों ने प्रारंभ की अनिश्चितकालीन हड़ताल

रोहतक। कुलपति ओएसडी को ज्ञापन सौंपते गैर शिक्षक कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (एमडीयू) में विवि प्रशासन के खिलाफ कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। विवि प्रशासन द्वारा रिटायर हो चुके कर्मचारी को छुट्टी के दिन ओएसडी लगाने को लेकर विवाद गहराया है, जिसके कारण कर्मचारियों में रोष है। सोमवार को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में आयोजित आम सभा के बाद कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया।

विवाद की तात्कालिक वजह विवि प्रशासन द्वारा गुपचुप तरीके से एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को छुट्टी के दिन ओएसडी नियुक्त करना बनी। इस नियुक्ति की खबर फैलते ही कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त हो गया। कर्मचारी संघ का आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर यह नियुक्ति की गई है।

संघ प्रधान सुरेश कौशिक ने बताया कि लंबित मांगों को लेकर 1 अप्रैल को हुई आम सभा में सांकेतिक धरने का निर्णय लिया गया था। इसी बीच विवि प्रशासन की ओर से 4 अप्रैल तक मांगें मानने का संदेश मिला था। सकारात्मक कदम न उठाए जाने पर संघ का प्रतिनिधिमंडल रविवार को कुलपति से कुरुक्षेत्र स्थित उनके निवास पर मिला। वहां कन्वोकेशन की व्यस्तता के कारण तीन दिन का समय मांगा गया था। प्रधान ने बताया कि सोमवार को आम सभा में कर्मचारी कुलपति के आश्वासन पर तीन दिन के सांकेतिक धरने के लिए सहमत हो गए थे। इसी बीच सूचना मिली कि विवादित ओएसडी ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि जब यूनियन के पदाधिकारी इस विषय पर विवि प्रशासन से बात करने पहुंचे, तो विवि प्रशासन ने मिलने से इनकार कर दिया और कुलपति के ओएसडी को यह कहकर वापस भेज दिया कि आप ही बात कर लो। विवि प्रशासन के रवैये से कर्मचारी भड़क गए और तुरंत हड़ताल का फैसला ले लिया।

हड़ताल के कारण एडम ब्लॉक का पूरा काम ठप

प्रधान सुरेश ने बताया कि कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है, जिसके कारण एडम ब्लॉक का पूरा काम ठप्प कर दिया। हालांकि, जिन स्टूडेंट के फॉर्म की लास्ट डेट थी, उनका काम किया। कर्मचारी किसी स्टूडेंट का नुकसान नहीं करना चाहते। बाकी स्टूडेंट के जो अन्य काम हैं, वो नहीं किए गए।

आशा वर्कर्स ने किया प्रदर्शन, 9 मई को राज्यस्तरीय आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में सैकड़ों आशा वर्कर्स ने अपनी लंबित मांगों और समस्याओं के समाधान को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व आशा वर्कर्स यूनियन (सीटू) की जिला उपाध्यक्षा पुष्पा ने किया, जबकि संचालन जिला सचिव फूलवती ने किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित मानदेय वृद्धि अब तक लागू नहीं की गई है और 2023 की 73 दिन की हड़ताल के दौरान काटा गया मानदेय भी जारी नहीं किया गया। यूनियन नेताओं ने कहा कि लंबे समय से स्वास्थ्य मंत्री से वार्ता की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। आशा वर्कर्स ने एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर दबाव बनाने और झूठे रजिस्ट्रेशन कराने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कार्यकर्ताओं पर दबाव बढ़ रहा है, बल्कि जनता में भी भय का माहौल है। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की खराब स्थिति, अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाइयों की कमी, तथा आयुष्मान योजना के प्रभाव पर भी सवाल उठाए। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो 9 मई को अटेली मंडी में स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर राज्यस्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करते आशा वर्कर्स यूनियन के सदस्य।

दयालु-2 योजना का लाभ उठाएं पीड़ित

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि आवारा पशुओं से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को सरकार की 'दयालु-2' योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि ऐसी किसी भी घटना की स्थिति में निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ अवश्य उठाएं। अतिरिक्त उपायुक्त सोमवार को मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नायब सिंह सैनी द्वारा इस योजना के पोर्टल का शुभारंभ किया जा चुका है, जिसे अब और सरल बनाया गया है। इसके माध्यम से पात्र परिवारों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सहायता मिलेगी। योजना के तहत स्वीकृत राशि डीबीटी के जरिए सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। एडीसी ने स्पष्ट किया कि आवारा पशुओं जैसे गाय, बैल, सांड, कुत्ता, भैंस या नीलगाय आदि के कारण हुई दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता होने पर एक लाख से पांच लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। वहीं, चोट लगने की स्थिति में न्यूनतम 10 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है। योजना का लाभ लेने के लिए परिवार का परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में पंजीकृत होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि घटना के दिन से 90 दिनों के भीतर ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है।

कूड़ा फैलाने पर 29 लोगों के काटे चालान

■ आयुक्त डॉ आनंद शर्मा के नेतृत्व में चलाया जा रहा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से डा. आनंद कुमार शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा विशेष सफाई एवं जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत न केवल सार्वजनिक स्थलों की सफाई की जा रही है, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से सफाई अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वार्ड नंबर 6 और वार्ड नंबर 7 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें वार्ड सदस्यों नीरा भटनागर और कपिल नागपाल की उपस्थिति रही। इस दौरान सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर फैली गंदगी को हटवाया गया तथा लोगों को साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

रोहतक। अपने वार्ड में सफाई अभियान करवाते पार्षद नीरा भटनागर।

उन्होंने बताया कि नगर निगम की टीम घर-घर जाकर नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित करने के लिए जागरूक कर रही है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें और डस्टबिन का नियमित रूप से उपयोग करें, ताकि शहर में गंदगी न फैले। इसके साथ ही नगर निगम की गाड़ियों में कचरा अलग-अलग देने की व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां एक ओर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। नगर निगम की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं और गंदगी फैलाने वालों तथा डस्टबिन न रखने वालों के चालान किए जा रहे हैं।

आज की कार्रवाई के दौरान कुल 30 चालान किए गए, जिनमें से 29 चालान गंदगी फैलाने और डस्टबिन न रखने वालों के खिलाफ 4900 रुपये के थे, जबकि एक चालान 500 रुपये का सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वाले के खिलाफ किया गया। यह कार्रवाई नगर निगम की सख्ती और स्वच्छता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वन हेल्थ पर विशेषज्ञों ने बताए स्वास्थ्य के सूत्र

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के यूजीसी मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर में वन हेल्थ विषय पर आयोजित दो सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स वें दिन विशेषज्ञों ने ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में मानव, पशु और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की अवधारणा को व्यावहारिक रूप में समझाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. आशीष दहिया ने भोजन के माध्यम से वन हेल्थ विषय पर बोलते हुए कहा कि सुरक्षित और संतुलित आहार केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। प्रो. ललिता गुप्ता ने कहा कि पशुओं का स्वास्थ्य और जैव विविधता का संरक्षण इस अवधारणा की सफलता के लिए अनिवार्य है। इससे पहले के सत्रों में डॉ. हरि मोहन ने लैब एनिमल्स के महत्व और वैक्सीन निर्माण प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया, वहीं डॉ. चरण सिंह ने सेल्फ मेडिकेशन को दो धारी तलवार बताते हुए लोगों को बिना डॉक्टर की सलाह दवा लेने से बचने की अपील की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

ओपीएस बहाल न करने पर जताया कड़ा रोष भविष्य के आंदोलन की रणनीति का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पेंशन बहाली संघर्ष समिति (पीबीएससी) की राज्य कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को रोहतक में प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल न करने पर कड़ा रोष व्यक्त किया गया और भविष्य के बड़े आंदोलन की रणनीति का औपचारिक ऐलान किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन को मजबूत करने के लिए 31 जुलाई तक पूरे प्रदेश में विशेष सदस्यता एवं मजबूती अभियान चलाया जाएगा।

रोहतक। मीटिंग के बाद मौजूद पेंशन बहाली संघर्ष समिति के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

अलग-अलग जिलों में 'ओपीएस बहाली संकल्प सम्मेलन' किए जाएंगे आयोजित

02 अगस्त से 03 जनवरी 2027 तक प्रत्येक रविवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 'ओपीएस बहाली संकल्प सम्मेलन' आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान की शुरुआत 02 अगस्त को रोहतक से होगी। 07 फरवरी 2027 को कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर 'राज्य स्तरीय ओपीएस बहाली महासम्मेलन' का आयोजन होगा, जो सरकार के खिलाफ निर्णायक हुंकार भरेगा। बैठक में विजेंद्र धारीवाल के खिलाफ दिल्ली में दर्ज एफआईआर की निंदा करते हुए इसे आवाज दबाने की कोशिश बताया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि एनपीएस और यूपीएस में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मेडिकल सुविधा न मिलना उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। बैठक का संचालन महासचिव ऋषि नैन ने किया। इस दौरान अनिल स्वामी, संजय सिंहमार, रविकान्त धानक और सुमन राणा सहित विभिन्न जिलों के सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं होती, संवैधानिक संघर्ष जारी रहेगा।

साप्ताहिक परेड में पुलिस ने किया विशेष अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस द्वारा आज सोमवार को पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। इस परेड में सभी थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी व जिले में तैनात पुलिस जवानों ने भाग लिया। परेड के दौरान जिले के सभी थाना/चौकी, पुलिस कार्यालय एवं अन्य यूनिट के कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई। इस दौरान कानून व्यवस्था की संभावित विकट परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष अभ्यास भी कराया गया। अभ्यास के दौरान जवानों को दंगा निरोधक उपकरणों के इस्तेमाल व भीड़ नियंत्रण से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने जवानों को हर स्थिति में संयम, सतर्कता और तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिला पुलिस हर प्रकार की विषम परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है।

डीसी के आश्वासन के बाद प्रशासन ने जेसीबी से हटाए पत्थर, सुरक्षा के लिए लगाए स्पीड ब्रेकर

विरोध के बाद खरावड़ के पास बंद दिल्ली-रोहतक कट खोला

■ कट खोले जाने पर प्रशासन का आभार, लेकिन सुरक्षा के बाकी उपायों पर भी कार्य तुरंत हो शुरू : भारत भूषण बत्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

खरावड़ के निकट दिल्ली से रोहतक की ओर बंद किए गए रास्ते को विरोध के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पुनः खोल दिया है। प्रशासन की टीम ने मौके पर जेसीबी लगाकर रास्ते में रखे पत्थरों को हटाया और आवागमन बहाल कर दिया। उपायुक्त द्वारा आज शाम तक रास्ता खुलवाने का आश्वासन दिया गया था, जिस पर अमल हुआ। कट से पहले स्पीड ब्रेकर भी स्थापित कर दिए गए, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। रास्ता खुलने से वाहन चालकों ने भी राहत की सांस ली। अब वाहन चालक आराम से यहां आवागमन कर सकेंगे। हालांकि सुरक्षा को देखते हुए यहां पुलिस टीम तैनात की जाएगी।

विधायक बत्रा ने पत्र लिखकर सुरक्षित ट्रैफिक व्यवस्था की उठाई थी मांग

विधायक बीबी बत्रा ने रास्ता बंद करने पर उपायुक्त को पत्र लिखकर विरोध दर्ज करवाया था। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ रास्ता खुलवाने का विषय नहीं था, बल्कि यहां हादसों की आशंका को देखते हुए स्थायी और सुरक्षित ट्रैफिक व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने प्रशासन को पहले भेजे गए पत्र में सुरक्षा से जुड़े पांच अहम बिंदुओं पर विशेष जोर दिया था। उन्होंने मांग की थी कि कट से पहले स्पीड ब्रेकर बनाई जाए ताकि कट से पहले वाहनों की रफ्तार नियंत्रित रहे। इसी तरह इस रोड पर रिफ्लेक्टर और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए जाएं ताकि रात में दृश्यता बनी रहे। उन्होंने उपायुक्त को लिखे पत्र में यह भी कहा था कि ट्रैफिक पुलिस/होमगार्ड की तैनाती पीक टाइम में की जाए।